NEWS CLIPPING: 09.01.2020

HINDUSTAN

दो दिन तक चले तकनीकी सत्र में 156 शोध पत्र पेश किए गए

'इलेक्ट्रिक विमान से ऊर्जा की कम खपत'

सेमिनार

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

अनुसंधान के जरिए विमानन क्षेत्र में भी ऊर्जा खपत कम की जा सकती है। कम कार्बन उत्सर्जन के इलेक्ट्रिक विमान डिजाइन कर चर्चा करते हुए फ्रांस के लोरेन विश्वविद्यालय से आए प्रो. नौरेडिडाइन टाकोरबेट ने कहा कि हाइड्रोलिक एक्ट्यूएटर्स को इलेक्ट्रिकल एक्ट्यूएटर्स से बदलकर आधुनिक विमानों में ऊर्जा की खपत को कम किया जा सकता है। साथ ही उसके प्रदर्शन को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने इलेक्ट्रिकल एक्ट्यूएटर्स की उच्च स्तरीय विश्वसनीयता और कॉम्पैक्टनेस के बारे में भी जानकारी दी।

प्रो नौरेडिडाइन ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में चल रहे फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्ननोलॉजी के आठवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) में बुधवार को संबोधन के दौरान ये बातें रखी। समापन सत्र में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) के चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी।

बागवानी में एलईडी तकनीक

इटली की कैलब्रिया यूनिवर्सिटी के डॉ. नेपाट वाट्सएप ने बताया कि कैसे बागवानी उद्योग में एलईडी तकनीक से काम हो सकता है। वहीं डॉ. स्टेफानो क्यूरिसो ने अल्ट्राफिल्ट्रेशन प्रक्रिया पर बहु-स्तरीय मॉडल की जानकारी दी।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागियों को एनबीए चेयरमैन प्रोफेसर केके अग्रवाल ने प्रमाणपत्र प्रदान किए। • हिन्दुस्तान

गैजेट्स से स्वास्थ्य सेवा बेहतर बनाने पर चर्चा

सम्मेलन के पहले प्लेनरी सत्र में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास के डॉ. विक्टर प्राइब्यूटोक और डॉ. गेल एल प्राइबटोक ने इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ (ई-हेल्थ) और मोबाइल हेल्थ (एम-हेल्थ) टूल्स पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल उपकरणों का उपयोग स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रबंधन और गुणवत्ता में सुधार के लिए कैसे किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने ये भी जानकारी दी कि इन गैजेट्स से सुलभ स्वास्थ्य जानकारी कैसे प्रदान हो सकती है।

प्रौद्योगिकी से वैश्विक समाधान खोजने की अपील

समापन सत्र में संबोधन करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने शोधकर्ताओं और तकनीकीविदें को वैश्विक समस्याओं के उन्नत तथा प्रौद्योगिकीय समाधान खोजने की आवश्यकता पर काम करने का संदेश दिया। वहीं हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रमोद कौशिक ने भी बात रखी। संस्थान के कुलसचिव डॉ. एस गर्ग ने इस दौरान सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सत्र के अंत में डॉ. मनीष वशिष्ठ ने सभी का आभार व्यक्त किया। मौके पर टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे।

शोधार्थियों ने 53 पोस्टर भी प्रस्तुत किए

सम्मेलन के तीसरे दिन तकनीकी सत्रों में कुल 156 शोध पत्र और 53 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। इसमें भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलावा अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाइलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब और म्यांमार आदि के प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी बात रखी। अनुसंधान पर केंद्रित इस सम्मेलन में मुख्य चर्चा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन से भविष्य की प्रौद्योगिकी तथा नए अनुसंधान पर रही।

NEWS CLIPPING: 09.01.2020

PUNJAB KESARI

8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन प्रस्तुत किए गए 156 शोध पत्र

प्रौद्योगिकीय चुनौतियों का सामना करने के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाना होगा: दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 8 जनवरी (ब्यूरो): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) के तीसरे दिन संपन्न हुए तकनीकी सत्रों में कुल 156 शोध पत्र और 53 पोस्टर प्रस्तुत किये गये। सम्मेलन में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलावा अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब तथा म्यांमार से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। सम्मेलन मुख्यत: अंत:विषय अनुसंधान पर केन्द्रित है और मुख्य चर्चा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा भविष्य की प्रौद्योगिकी तथा नये अनुसंधान पर रही। सम्मेलन के तीसरे दिन समापन सत्र में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) के चेयरमैन प्रो. के.के. अग्रवाल मुख्य अतिथि रहे। प्रो. के. के. अग्रवाल ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी तथा विज्ञान व प्रौद्योगिकीय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। समापन सत्र में अपने अध्यक्षीय संबोधन में, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने शोधकर्ताओं और तकनीकीविदों को तकनीकी चुनौतियों का सामना बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाने और सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक समस्याओं के इनोवेटिव तथा प्रौद्योगिकीय समाधान खोजने की आवश्यकता पर बल दिया। सत्र को हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रमोद कौशिक ने भी संबोधित किया।

एनबीए चेयरमैन प्रो. के.के अग्रवाल सम्मेलन की किट भेंट करते प्रो. दिनेश कुमार।

इससे पहले, कुलसचिव डॉ. एस. गर्ग ने मुख्य अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया और सम्मेलन के दौरान की गई कार्यवाही और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सत्र के अंत में डॉ. मनीष वशिष्ठ ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu, 09 January 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/47795494

NEWS CLIPPING: 09.01.2020

DAINIK JAGRAN

'प्रौद्योगिकीय चुनौतियों के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण जरूरी'

फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- जेसी बोस विश्वविद्यालय में किया जा रहा है आयोजन
- तकनीकी सत्रों में कुल 156 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एनबीए चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल को सम्मेलन की किट भेंट करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार • फोटो विवि प्रबंधन की ओर से

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय में चल रहे फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के आठवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आइएसएफटी-2020) का बुधवार को तीसरा दिन रहा। समापन सत्र में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) के चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। समापन सत्र में संबोधन करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने शोधकर्ताओं और तकनीकी विदों को वैश्विक समस्याओं के उन्नत तथा प्रौद्योगिकीय समाधान खोजने की आवश्यकता पर काम करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकीय चुनौतियों के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण जरूरी है। फ्रांस के लोरेन विश्वविद्यालय से आए प्रो. नौरेडिडाइन टाकोरबेट ने कहा कि हाइड्रोलिक एक्ट्यूएटर्स को इलेक्ट्रिकल एक्ट्यूएटर्स से बदलकर आधुनिक विमानों में ऊर्जा की खपत को कम किया जा सकता है। सम्मेलन के पहले प्लेनरी सत्र में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास के डॉ. विक्टर प्राइब्यूटोक और डॉ. गेल एल प्राइबटोक ने इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ (ई-हेल्थ) और मोबाइल हेल्थ (एम-हेल्थ) टूल्स पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल उपकरणों का उपयोग स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रबंधन और गुणवत्ता में सुधार के लिए कैसे किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने ये भी जानकारी दी कि इन गैजेट्स से सुलभ स्वास्थ्य जानकारी कैसे प्रदान हो सकती है। हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रमोद कौशिक ने भी बात रखी। संस्थान के कुलसचिव डॉ. एस गर्ग ने इस दौरान सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। मौके पर टीईक्यूआइपी निदेशक डॉ.विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। इटली के कैलब्रिया यूनिवर्सिटी से डॉ. नेपाट वाट्सएप ने सम्मेलन में बागवानी उद्योग पर विचार रखे। वहीं डॉ.स्टेफानो क्यूरिसो ने अल्ट्राफिल्ट्रेशन प्रक्रिया पर बहुस्तरीय मॉडल की जानकारी दी। इस सत्र की अध्यक्षता गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संसाधनों के श्रेष्ठ उपयोग आज की जरूरत हैं। इसपर ज्यादा से ज्यादा काम करना चाहिए। सम्मेलन के तीसरे दिन तकनीकी सत्रों में कुल 156 शोध पत्र और 53 पोस्टर प्रस्तुत किए गए।

NEWS CLIPPING: 09.01.2020

NAVBHARAT TIMES

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए 156 शोधपत्र

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलजी पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। तीसरे दिन शोधपत्र प्रस्तुत करने व अनुसंधानों पर चर्चा करने वाला सत्र समाप्त हुआ। अब अगले 2 दिन एमओयू व विजिट वाले सत्र शुरू होंगे। बुधवार को संपन्न हुए तकनीकी सत्रों में कुल 156 शोध पत्र व 53 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। तीसरे दिन के समापन सत्र में नैशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन के चेयरमैन के. के. अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उन्होंने इस तरह के बड़े आयोजन के लिए यूनिवर्सिटी को बधाई दी। यूनिवर्सिटी के कुलपति दिनेश कुमार ने कहा कि लगातार विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इनोवेटिव व प्रौद्योगिकीय समाधान खोजने की आवश्यकता पर बल दिया जा रहा है। इस दौरान हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष निदेशक प्रमोद कौशिक ने भी संबोधित किया। बुधवार को पहले सत्र में इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ व मोबाइल हेल्थ पर चर्चा की गई। सत्र के अंत में डॉ. मनीष वशिष्ठ ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस सम्मेलन में अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब व म्यांमार से आए प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

NEWS CLIPPING: 09.01.2020

HARAOTI ADHIKAR

हाड़ौती अधिकार 'हिन्दी दैनिक'
फरीदाबाद, बुधवार, 8 जनवरी, 2020

www.twitter.com/HadotiAdhikar

फरीदाबाद / आसपास

www.facebook.com/hadotiadhikar

3

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को स्कूली स्तर तक लेकर जाये शोधकर्ता: डॉ. वेद प्रकाश

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय दे रहा है अंत:विषय शोध को बढ़ावा: कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, सम्मेलन के पहले दिन दो प्लेनरी सत्र तथा पांच तकनीकी सत्र आयोजित हुए, 60 से ज्यादा शोध पत्र रखे गये

सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश।

दीप प्रज्वलित सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ करते हुए अतिथिगण।

8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएफटी-2020

अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 7 जनवरी। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए द्वारा फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) का आज उदघाटन हुआ। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। सम्मेलन के पहले दिन पांच तकनीकी सत्र, दो प्लेनरी सत्र तथा एक पोस्टर सत्र आयोजित किया गया।

उदघाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। सत्र में एनआईटी श्रीनगर के निदेशक डॉ राकेश सहगल, डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा, श्रीराम कालेज आफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट, पलवल के ट्रस्टी सीए संतोष कुमार तथा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल युनिवर्सिटी से प्रो. नवीन कुमार उपस्थित थे तथा सत्र को संबोधित किया।

उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश ने समाज की प्रमुख समस्याओं के समाधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने शोध विश्वविद्यालय की अवधारणा के कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा स्कूली स्तर पर विज्ञान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बहुत से विद्यार्थी आज भी विज्ञान को कठिन विषय के रूप में देखते है और विज्ञान विषय को बीच में ही छोड़ देते हैं, जो चिंता का विषय हैं इसके लिए उन्होंने स्कूल शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में विज्ञान को फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी को एक साथ पढ़ाया जाता है जबकि ये विषय अलग-अलग पढ़ाये जाने चाहिए। उन्होंने शोधकर्ताओं तथा तकनीकीविदों से आह्वान किया कि वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नये अनुसंधानों को स्कूली स्तर तक लेकर जाये ताकि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों का रूझान बढ़े।

सत्र को संबोधित करते हुए एनआईटी श्रीनगर के निदेशक राकेश सहगल ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रहे बदलावों से औद्योगिक एवं अकादमिक के बीच अंतराल बढ़ रहा है, जिसे भरने की आवश्यकता हैं। उन्होंने प्रौद्योगिकीय बदलावों को समझने के दृष्टिगत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं नवाचार को समाज से जोड़ते हुए कहा कि सतत आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय नवाचार, अंत:विषय अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीयकरण को केन्द्र में रखते हुए एक अनुसंधान विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम महान वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बोस के नाम पर है, जो अपने अंत:विषय शोध के लिए जाने जाते है। उन्होंने आशा जताई कि सम्मेलन के दौरान होने वाले विचार-विमर्श जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक समस्या के समाधान तथा पर्यावरण अनुकूलित प्रौद्योगिकीय विकास को बढ़ावा देने में मददगार होंगे।

डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा, जो विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं, ने सत्र को संबोधित करते हुए डेकेन द्वारा हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए किये जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। अंत में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इससे पूर्व, टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह ने सम्मेलन में प्रतिभागियों का स्वागत किया। उदघाटन सत्र में सम्मेलन की पुस्तिका तथा मोबाइल एप का भी विमोचन किया गया। मोबाइल एप को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं फैकल्टी द्वारा विकसित किया गया है।

सम्मेलन की पुस्तिका का विमोचन करते हुए अतिथिगण। छाया : अधिकार

आज सम्मेलन के पांच तकनीकी सत्रों में 60 से ज्यादा शोध पत्र रखें गये तथा लगभग 25 पोस्टर प्रस्तुति दी गई। विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू की अध्यक्षता में आयोजित पहले प्लेनरी सत्र में युनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा से प्रो. ऑटर काव, सायकौम लैबोरेट्री नायजी ली ग्रैंड फ्रांस से प्रो. ओलिवर फ्रैंकिस, बाबुल नोशिरवानी युनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजी, ईरान से प्रो. घासेम नजफपुर तथा पुसान नेशनल युनिवर्सिटी, बुसान, कोरिया से प्रो. एच.सी. लिम ने आमंत्रित वक्तव्य प्रस्तुत किये। इस सत्र की सह अध्यक्षता प्रो. संदीप ग्रोवर ने की। इसी प्रकार, सीएसआईआर के राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित दूसरे प्लेनरी सत्र में युनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा से प्रो. राजीव दूबे तथा प्रो. स्टीफन सुंदर राव, युनिवर्सिटी आफ कैलाब्रिया, रेंडे, इटली से डॉ. विन्सेन्जा काल्ब्रैव, युनिवर्सिटी आफ क्वाजुलु-नटाल, साउथ अफ्रीका से श्रीकांत बी जोनागलगड्डा तथा क्योटो युनिवर्सिटी, जापान से प्रो. हिडकी ओहगाकी ने वक्तव्य प्रस्तुत किया।

उल्लेखनीय है कि सम्मेलन में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलावा अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब तथा म्यांमार से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन मुख्यत: अंत:विषय अनुसंधान पर केन्द्रित है और मुख्य चर्चा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा भविष्य की प्रौद्योगिकी तथा नये अनुसंधान पर है।

NEWS CLIPPING: 09.01.2020

DAINIK TRIBUNE

8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएफटी 2020 का समापन

तकनीकी सत्रों में 156 शोध पत्र, 53 पोस्टर प्रस्तुत

बल्लभगढ़, 8 जनवरी (निस)

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएफटी-2020 के तीसरे दिन तकनीकी सत्रों में कुल 156 शोध पत्र और 53 पोस्टर प्रस्तुत किए गए।

सम्मेलन में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलावा अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब तथा म्यांमार से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। सम्मेलन मुख्यतः अंतःविषय अनुसंधान पर केंद्रित है और मुख्य चर्चा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा भविष्य की प्रौद्योगिकी तथा नये अनुसंधान पर रही। सम्मेलन के तीसरे दिन समापन सत्र में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) के चेयरमैन प्रो. के.के. अग्रवाल मुख्य अतिथि रहे। प्रो. के.के. अग्रवाल ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी तथा विज्ञान व प्रौद्योगिकीय अनुसंधान को

बल्लभगढ़ में बुधवार को 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएफटी 2020 के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करते एनबीए चेयरमैन प्रो.केके.अग्रवाल एवं कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। -निस

बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने शोधकर्ताओं को तकनीकी चुनौतियों का सामना बहु विषयक दृष्टिकोण अपनाने और सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक समस्याओं के इनोवेटिव तथा प्रौद्योगिकीय समाधान खोजने की आवश्यकता पर बल दिया। सत्र को हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रमोद कौशिक ने भी संबोधित किया। इससे पहले, कुलसचिव डॉ. एस. गर्ग ने मुख्य अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया और सम्मेलन के दौरान की गई कार्यवाही और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सत्र के अंत में डॉ. मनीष वशिष्ठ ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह भी उपस्थित थे। दिन के पहले प्लेनरी सत्र में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास के डॉ. विक्टर प्राइब्यूटोक और डॉ. गेल एल. प्राइबटोक ने इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ (ई.हेल्थ) और मोबाइल हेल्थ (एम..हेल्थ) टूल्स पर चर्चा की और बताया कि इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल उपकरणों का उपयोग स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रबंधन और गुणवत्ता में सुधार में कैसे किया जा सकता है और सभी के लिए सुलभ स्वास्थ्य जानकारी कैसे प्रदान हो सकती है।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 09 January 2020
https://epaper.dainiktribuneonline.com/c/47789457

NEWS CLIPPING: 09.01.2020

THE TRIBUNE

PARTNERSHIPS WITH GLOBAL VARSITIES

Faridabad: In order to develop successful strategic partnerships with international universities and establishing international research collaborations, JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has been preparing a work-plan to identify the area of research in the specialised field where the university can avail grants from international funding agencies in specific area of research. It was disclosed in a meeting with Dr Harjit Singh, a representative from Brunel University, London, held under the Chairmanship of Vice-Chancellor Prof Dinesh Kumar organised by International Affairs Cell (IAC) here. The objective of this meeting was to explore research and development opportunities on 'Best use of solar energy' through collaboration between JC Bose University and Brunel University, UK. Deans and chairpersons of all departments, Registrar Dr SK Garg and Director, IAC, Dr Shilpa Sethi were also present on the occasion. The VC said the university had been working towards strengthening its international tie-ups so as to further fostering advancement in teaching, learning and research.

The Tribune Thu, 09 January 2020
https://epaper.tribun

NEWS CLIPPING: 09.01.2020

DAINIK BHASKAR

DB 9/01/2020

फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नॉलॉजी पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रौद्योगिकीय चुनौतियों के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण अपनाना होगा : प्रो. दिनेश कुमार

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नॉलॉजी पर आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) के तीसरे दिन तकनीकी सत्रों में कुल 156 शोधपत्र और 53 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अलावा अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाइलैंड, इटली, ईरान, जापान, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, सऊदी अरब तथा म्यांमार से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन मुख्यत अंतः विषय अनुसंधान पर केन्द्रित है। तीसरे दिन मुख्य चर्चा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा भविष्य की प्रौद्योगिकी तथा नए अनुसंधान पर रही। सम्मेलन के तीसरे दिन समापन सत्र में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (एनबीए) के चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विज्ञान व प्रौद्योगिकीय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। प्रो. दिनेश कुमार ने शोधकर्ताओं और तकनीकी विदों को तकनीकी चुनौतियों का सामना बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाने और सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक समस्याओं के इनोवेटिव तथा प्रौद्योगिकीय समाधान खोजने की आवश्यकता पर बल दिया।

तीसरे दिन एनबीए के चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल मुख्य अतिथि रहे

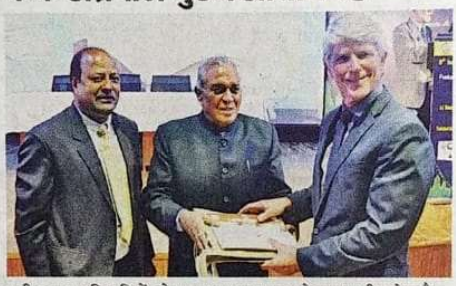

फरीदाबाद। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए एनबीए चेयरमैन प्रो. केके अग्रवाल एवं कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

कार्यक्रम के दौरान दो प्लेनरी सत्रों में आठ वक्ताओं ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए

सत्र को हेक्सागन इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रमोद कौशिक ने भी संबोधित किया। इससे पहले कुलसचिव डॉ. एस गर्ग ने मुख्य अतिथि और प्रतिभागियों का स्वागत किया और सम्मेलन के दौरान की गई कार्रवाई और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। सत्र के अंत में डा. मनीष वशिष्ठ ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस अवसर पर टीईक्यूआईपी के निदेशक डा. विक्रम सिंह भी मौजूद थे। इससे पहले तीसरे दिन आयोजित हुए दो प्लेनरी सत्रों में आठ आमंत्रित वक्ताओं ने सम्मेलन की विषयवस्तु पर अपने विचार प्रस्तुत किए। दिन के पहले प्लेनरी सत्र में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ टेक्सास के डॉ. विक्टर प्राइब्यूटोक और डॉ. गेल एल. प्राइबटोक ने इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ (ई-हेल्थ) और मोबाइल हेल्थ (एम--हेल्थ) टूल्स पर चर्चा की। उन्होंने बताया इलेक्ट्रानिक एवं डिजिटल उपकरणों का उपयोग स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रबंधन और गुणवत्ता में सुधार में कैसे किया जा सकता है और सभी के लिए सुलभ स्वास्थ्य जानकारी कैसे प्रदान हो सकती है।